हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार 2 मार्च 2026

9 चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने नारियल फोड़कर ....

10 सामाजिक समरसता व भाईचारा भारतीय ...

खबर संक्षेप

दगड़ौली में 12 से 14 तक होगी प्रतियोगिता

बाढ़ड़ा। गांव दगड़ौली में 12 से 14 मार्च तक खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। स्पर्धा के दौरान बॉलीबॉल और नेशनल कबड्डी के मुकाबले होंगे। इसके अलावा पुरुषों व महिलाओं की दौड़ भी होगी। बूढ़ों व लड़कियों की दौड़ प्रतियोगिता भी करवाई जाएंगी। पंचायत समिति सदस्य गुणपाल दगडोली और सरपंच मीना देवी ने बताया कि बॉलीबॉल और कबड्डी में प्रथम आने वाली टीम को 71 हजार, द्वितीय रहने वाली टीम को 51 हजार और तृतीय स्थान पर रहने वाली टीम को 31 हजार रुपये की नकद राशि इनाम के रूप में दी जाएगी।

दादा गुसाईं धाम पर कुश्ती दंगल और भंडारा चार को

बाढ़ड़ा। प्रसिद्ध धार्मिक स्थल दादा गुसाईं धाम कालूवाला पर कुश्ती दंगल व भंडारा चार मार्च को आयोजित किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप सांगवान ने बताया कि समाजसेवी नीरज चौधरी व डोहका दिना, डोहका मौजी आदि गांवों के सहयोग से प्रति वर्ष की भांति चार मार्च धुलंडी पर्व पर गुसाईं धाम कालूवाला पर होने वाले भंडारे में हजारों भक्तजन शरीक होंगे।

मजदूरों के समर्थन में आज होगा प्रदर्शन

बाढ़ड़ा। सीटू ने पानीपत रिफाइनरी और जिला प्रशासन से मांग की कि हड़ताली मजदूरों की मांगों का तुरंत समाधान करें। रिफाइनरी मजदूरों के समर्थन में सीटू पूरे प्रदेश में कल दो मार्च को जिला स्तरीय प्रदर्शन करेगी। यह जानकारी सीटू जिला सहसंयोजक सुमेर सिंह ने दी।

कलिंगा गांव के पास भीषण हादसे में 3 की मौत,16 घायल

वाहन में क्षमता से अधिक लोग थे सवार, पलटते ही मची चीख पुकार

भिवानी। सड़क हादसे में घायल अस्पताल में उपचाराधीन, घायलों का हालचाल जानते उपायुक्त साहिल गुप्ता व घायलों का हालचाल जानने के लिए अस्पताल पहुंचे एसडीएम व पुलिस अधिकारी।

रामपुरा बेरी जा रहे थे शोक जताने, वाहन असंतुलित होने से हादसा

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

गांव कलिंगा से रामपुरा बेरी जा रहा एक सवारियों से भरा छोटा हाथी(टाटा मैजिक) धिराणा चौक पर अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा कर पलट गया। जिससे मौके पर तीन महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 16 लोग घायल हो गए। इनमें बच्चे व महिलाएं भी शामिल है। छोटा हाथी असंतुलित टायर फटने से होना बताया जा रहा है। उक्त लोग रामपुरा बेरी में एक मौत पर शोक जताने के लिए जा रहे थे। भिवानी से निकलते ही यह हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार रविवार सुबह गांव कलिंगा निवासी कुछ लोग एक छोटा हाथी में बैठकर रामपुरा में शौक जताने के लिए जा रहे थे। छोटा हाथी भिवानी से निकला और धिराणा चौक पर पहुंचा तो अचानक असंतुलित हो गया। सेक्टर 13 निवासी तेजपाल ने बताया कि वे भी इस वाहन के पीछे पीछे चल रहे थे। छोटा हाथी असंतलित होकर पलट गया। वे कुछ समझ पाते कि इससे पहले छोटा हाथी में चीख पुकार मच गई। उन्होंने अन्य वाहनों को रुकवाकर करीब 11 लोगों को तो एक कैम्पर में बैठाकर भिवानी भेजा।

टाटा मैजिक में 19 लोग सवार थे

घटना की जानकारी मिलते ही उपायुक्त साहिल गुप्ता सामान्य अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। साथ ही सभी चिकित्सकों को डयूटी पर पहुंचने के निर्देश दिए। चूंकि आज अवकाश होने की वजह से केवल आपातकालीन विभाग में ही चिकित्सक उपस्थित रहे। बाद में सभी चिकित्सक आपातकालीन विभाग में पहुंच गए और घायलों के इलाज में जुट गए। उपायुक्त ने बताया कि टाटा मैजिक में 19 लोग सवार थे। जिनमें से तीन की मौके पर मौत हो गई। चार लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। 12 अन्य घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि अस्पताल में घायलों को सभी तरह की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जा रही है। इनके अलावा पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार,एसडीएम महेश कुमार, तहसीलदार जयबीर सिंह भी अस्पताल पहुंचे और घायलों से बातचीत की। वहीं सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य स्वयं घायलों के उपचार में लग गए। उन्होंने अन्य चिकित्सकों को गंभीरता के साथ घायलों का उपचार के निर्देश दिए।

महिला रोहतक रेफर की

इसी दौरान उन्होंने इस बारे में 112 व एम्बुलेंस को सूचना दी। सूचना मिलते ही एम्बुलेंस भी मौके पर पहुंच गई। मृतकों व अन्य घायलों को एम्बुलेंस के जरिए अस्तपाल में लाया गया। हादसे में तीन महिलाओं की मौत हो गई, जिनमें कृष्णा पत्नी श्रीनिवास, मूर्ति पत्नी ऋषिराम, फूलवति पत्नी रामोतार शामिल हैं। सभी मृतक महिलाओं की उम्र करीब 60 से 70 वर्ष के बीच बताई जा रही है। गंभीर रूप से घायल होने के चलते सुनीता उर्फ ललीता पत्नी रामकिशोर को उपचार के लिए रोहतक रेफर किया गया है।

शीला पत्नी विष्णु को उसके परिजन अन्य जगह पर उपचार के लिए लेकर गए हैं। घायलों में शिव कुमार पुत्र हरिकिशन, वेद प्रकाश पुत्र भल्लेराम, वनिता पत्नी सुखबीर,नरेश पत्नी चन्द्रदत, बीरमति पत्नी सतबीर, सत्यनारायण पुत्र जिलेराम, शीला पत्नी विष्णु, सन्तोष पत्नी सज्जन, नेहा पुत्री चन्द्रदत, तन्नु पुत्री अशोक, गोविन्द पुत्र सन्दीप, दुष्यंन्त पुत्र रविदत, पुरूषोत्तम पुत्र राजवीर व चालक बलराम पुत्र सत्यनारायण शामिल हैं। सभी घायलों का यहां सामान्य अस्पताल में इलाज चल रहा है।

चार की हालत गंभीर

अस्पताल के चिकित्सकों ने बताया कि डॉक्टरों के मुताबिक, घायलों में से कुछ की स्थिति बेहद चिंताजनक बनी हुई है, जिसके कारण मृतकों का आंकड़ा बढने की आशंका है। नागरिक अस्पताल के चिकित्सक ने बताया कि वाहन में क्षमता से अधिक लोग सवार थे। तीन लोगों को मृत अवस्था में लाया गया था, जबकि तीन अन्य की हालत गंभीर है जिनका उपचार इमरजेंसी वार्ड में चल रहा है। उन्होंने बताया कि छोटा हाथी वाहन में 15 से 20 लोग सवार थे, जिनमें से 3 की मौत हो गई तथा 3 गंभीर घायल है, जिनका उपचार चल रहा है। पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रशासन ने वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है और असली कारणों का पता लगाया जा रहा है।

मनीषा मौत मामले में हुई पंचायत

- नौ मार्च को निकाली जाएगी विरोधास्वरूप पदयात्रा

लोहारू। आयोजित पंचायत में उपस्थित लोग।

हरिभूमि न्यूज ⏭ लोहारू

गांव ढाणी लक्ष्मन में मनीषा मौत मामले को लेकर बुढेड़ा कन्नी कि बड़ी पंचायत गांव के मैन चोक में बुढेड़ा कन्नी प्रधान सतबीर सिंह पूर्व सरपंच की अध्यक्षता में हुई। मंच का संचालन धर्मपाल बारवास ने किया ।

पंचायत में दर्जनों गांवों के मौजीज आदमियों सहित महिलाओं ने भी भाग लिया। पंचायत में मनीषा मामले की सीबीआई जाचं के खुलासा ना करने पर पंचायत में भारी रोष दिखाई दिया सभी मौजित लोगों सहित सभी गांवों के सरपंचों ने मनीषा मौत मामले कि सीबीआई जांच का खुलासा करवाने के लिए जनसंघर्ष में सहयोग देने का ठोस आश्वासन पंचायत को दिया। पंचायत में भारी जोश को देखते हुए बुढेड़ा कन्नी कि सर्वसमाज न्याय समिति ने फैसला पंचायत में सुनाया की 7 मार्च को मनीषा मौत मामले कि जांच सार्वजनिक ना करने पर ढाणी लिछमन से सैकड़ों महिलाओं सहित पैदल यात्रा शुरू होकर 9 मार्च को उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा।

GREEN MEADOWS COLLEGE OF EDUCATION CHARKHI

RUN BY:-JANHIT EDUCATION SOCIETY

VPO CHARKHI TEHSIL AND DISTT CHARKHI DADRI

REGISTERED

TO
All Member

Sub: Notification of Election Schedule and Publication of List of Voters/Members of the society

All the members of Society are inform that the Members of the Green Meadows College of Education Charkhi Run by Janhit Education Society Vpo Charkhi Tehsil and Distt Charkhi Dadri will elect the Office bearers i.e. One President, One Vice-President, One General Secretary, One Treasurer and eleven executive members of the Governing Body of the Society.

The Governing Body of the Green Meadows College of Education Charkhi Run by Janhit Education Society Vpo Charkhi Tehsil and Distt Charkhi Dadri has finalized the list of members, entitled to vote, for Publication and schedule of election of the Governing Body, to be conducted, is as under -

Sr. No.	Particulars	Date & time
1.	Notification of Election and Publication of List of Members/Voters	02.02.2026
2.	Filling of Nomination Papers	11.02.2026
3.	Scrutiny of Nomination Papers	14.02.2026
4.	Withdrawal of Nomination Papers	16.02.2026
5.	Display of list of contesting candidates & allotment of election symbol	18.02.2026
6.	Polling of Votes	20.02.2026
7.	Counting of Votes and Declaration of results	20.02.2026

President

अबीर-गुलाल

अबीर-गुलाल हिंदू परंपरा में होली के त्यौहार और पूजा-पाठ में उपयोग किया जाने वाला एक रंगीन, सुगंधित और सूखा पाउडर है, जो मुख्य रूप से प्राकृतिक चीजों से बनता है। गुलाल आमतौर पर गुलाबी रंग से जुड़ा है, जबकि अबीर सुगंधित पाउडर होता है। इसे होली पर एक-दूसरे पर लगाने और देवताओं को चढ़ाने के लिए उपयोग किया जाता है। परंपरागत रूप से ऑर्गेनिक (100% प्राकृतिक) होता है, हालांकि अब केमिकल वाले विकल्प भी बाजार में हैं।

फागण के उल्लास का नाम है होली-धुलेंडी

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है।

पर्व

दिनेश शर्मा 'दिनेश'

हरियाणा में होली केवल रंगों का त्योहार नहीं है, बल्कि यह वह संधि-काल है जहां सामाजिक जड़ता का अंत होता है और मानवीय रिश्तों की ऊष्मा का नया अध्याय शुरू होता है। यह महापर्व प्रतिवर्ष फाल्गुन मास की पूर्णिमा की उस मंगलकारी तिथि को मनाया जाता है, जब चंद्रमा अपनी पूर्ण सोलह कलाओं के साथ आकाश में उदित होकर धरती पर अमृत की वर्षा करता है और प्रकृति अपने बसंती यौवन के चरम पर होती है।

हरियाणवी लोक-जीवन में इस पावन उत्सव के पीछे वह कालजयी पौराणिक कथा छिपी है, जो युगों-युगों से अधर्म पर धर्म की विजय का उद्घोष कर रही है। यह कथा असुरराज हिरण्यकश्यप और उसके परम विष्णु-भक्त पुत्र प्रहलाद की है। हिरण्यकश्यप ने कठिन तपस्या के बल पर ब्रह्मा जी से 'अजेय' होने का ऐसा अनूठा वरदान पा लिया था, जिसने उसे मृत्यु के भय से मुक्त कर दिया था। वरदान के मद में चूर होकर उसने स्वयं को ही 'भगवान' घोषित कर दिया और अपनी प्रजा को विवश किया कि वे केवल उसी की पूजा करें। नियति का विधान देखिए कि उसके अपने ही महल में प्रहलाद के रूप में एक ऐसे पुत्र ने जन्म लिया, जो जन्म से ही 'नारायण-नारायण' की रट लगाए हुए था। प्रहलाद की यह अनन्य भक्ति हिरण्यकश्यप के अहंकार को सीधी चुनौती थी। पिता ने पुत्र के भीतर की इस दैवीय लौ को बुझाने के लिए क्रूरता की सारी सीमाएं पार की। कभी प्रहलाद को ऊंचे पहाड़ों से नीचे गहरी खाइयों में फिंकवाया गया, कभी मतवाले हाथियों के पैरों तले कुचलवाने का प्रयास हुआ तो कभी कालकोठरी में विषधर सर्पों के बीच छोड़ा गया। किंतु हर बार, उस नन्हे बालक की अडिग श्रद्धा और विश्वास के सामने हिरण्यकश्यप के कुटिल प्रहार निष्फल हो गए। अंततः, जब कोई उपाय न सूझा, तो हिरण्यकश्यप ने अपनी बहन होलिका का सहारा लिया। होलिका को यह वरदान प्राप्त था कि वह अग्नि में नहीं जल सकती और उसके पास एक ऐसी चमत्कारी चुनरी थी, जो अग्नि के ताप को सोख लेती थी। फाल्गुन पूर्णिमा के दिन, जब विशाल चिता सजाई गई और होलिका प्रहलाद को अपनी गोद में लेकर उस धधकती अग्नि के बीच जा बैठी, तो एक दैवीय चमत्कार हुआ। वह वरदानी चुनरी होलिका के शरीर से उड़कर बालक प्रहलाद पर जा लिपटी। छल और अधर्म की प्रतीक होलिका उसी क्षण भस्म हो गई, जबकि अखंड विश्वास और सत्य के प्रतीक प्रहलाद अग्नि की लपटों के बीच से मुस्कुराते हुए सुरक्षित बाहर आए।

होलिका दहन की प्रक्रिया जितनी आध्यात्मिक है, उतनी ही लोक-कला और श्रमसाध्य साधना से ओत-प्रोत भी है। पूर्णिमा से कई सप्ताह पूर्व ही गांव के हर घर में 'बड़कुले' बनाने का काम एक पर्व की तरह शुरू हो जाता है। घर की महिलाएं और बच्चे गाय के गोबर से छोटे-छोटे छेद वाले गोल उपले, ढाल, तलवार, सूरज, चांद और कंघी के आकार के खिलौने बड़ी श्रद्धा से बनाते हैं। इन्हें 'बड़कुलों' के साथ मूंज की रस्सी में पिरोकर जो माला तैयार की जाती है, वह वास्तव में हरियाणा के 'पशुधन' और 'कृषि' के प्रति गहरी कृतज्ञता की प्रतीक है। पूजा के दिन हाथों में जल का लोटा, रोली, अक्षत, कच्चा सूत, गुड़ और बड़कुलों की माला लेकर गांव की महिलाएं समूह में पारंपरिक 'जकड़ियां' और मंगल गीत गाती हुई होलिका स्थल पर पहुंचती हैं। इन लोकगीतों में भक्त प्रह्लाद की कथा का वर्णन प्रभावित करता है....

गोदी के अंदर भगत राम राम रह्या टेर
जब तै चरचा सुणी थी हर की, राम नाम की लगी लगन
समझाया था एक न मानी दरसन की थी लगी लगन

होली के लोकगीतों में जनसाधारण का ऐतिहासिक ज्ञान और भक्तिभाव भी दिखाई पड़ता है .....

लिछमन कै बाण लगा रै सक्ती लिछमन कै।
ऐसा रै होय कोई बीरा नै जिवाले,
आधा राज सवाई धरती, लिछमन कै।
कै तो जिवाले सीता रै सतवंती,
कै तो जिवाले हनुमान जती, लिछमन कै।

महिलाएं पूजा करने से पहले कच्चे सूत के धागे से होलिका के सात फेरे लेती हैं, जो सामाजिक और पारिवारिक सुरक्षा कवच के प्रतीक हैं। पूजा के अंत में, वे अपने बनाए हुए 'बड़कुले' उस ढेर पर चढ़ा देती हैं। लोक-मान्यता है कि ये बड़कुले साल भर की 'नज़र' और बीमारियों को अपने भीतर सोख लेते हैं और दहन के समय उन्हें सदा के लिए भस्म कर देते हैं। जैसे-जैसे पूर्णिमा की रात गहराती है, हरियाणा की गलियों में हुड़दंग और उल्लास का शोर अपनी सीमाओं को लांघने लगता है। जब गांव के पुरोहित और बड़े-बुजुर्ग शुभ मुहूर्त में अग्नि प्रज्वलित करते हैं, तो पूरा आकाश 'होली मैया की जय' और 'भक्त प्रहलाद की जय' के उद्घोष से गूंज उठता है। इस अग्नि के घेरे में ग्रामीण अपनी नई फसल विशेषकर जौ और गेहूं की अधपकी बालियों को लंबी लकड़ियों में फंसाकर पवित्र ज्वाला में सेंकते हैं, जिसे हरियाणा की ठेठ बोली में 'हौले सेंकना' कहा जाता है। इन भुने हुए दानों को 'प्रसाद' के रूप में एक-दूसरे को बांटना प्रदेश की उस 'साझा संस्कृति' का अनूठा उदाहरण है, जहां अपनी पहली फसल का स्वाद चखने से पहले पूरे गांव का मुंह मीठा कराया जाता है। फाल्गुन पूर्णिमा की दहकती अग्नि के शीतल होते ही उसकी राख के साथ उल्लास का एक अध्याय शुरू होता है जिसे दुनिया 'धुलंडी' या 'फाग' के नाम से जानती है। फाग केवल रंगों का खेल नहीं, बल्कि एक जीवंत लोक-अनुष्ठान है, जहां समाज की ऊंच-नीच, उम्र का फासला और हर प्रकार का संकोच हवाओं में उड़ते गुलाल में मिलकर एकाकार हो जाता है। फाग की सबसे विशेष और रोमांचक पहचान है 'कोरड़ा मार होली'। यह परंपरा देवर और भाभी के उस पवित्र और ठिठोली भरे रिश्ते का चरमोत्कर्ष है, जो हरियाणवी लोक-जीवन की आत्मा है। इस दिन महिलाएं किसी शक्ति-पुंज की तरह उभरती हैं। भाभियां अपने दुपट्टों या कपड़ों को पानी में भिगोकर उससे 'कोरड़ा' बनाती हैं। दूसरी ओर, देवर और गांव के पुरुष रंगों और पानी की बौछारों के साथ उन पर धावा बोलते हैं। यह एक ऐसा दृश्य होता है जहां पौरुष का सामना नारी-शक्ति के उस 'कोरड़े' से होता है, जो प्रेम की मार का प्रतीक है। देवर अपने बचाव के लिए बाल्टियां भर-भर के रंग डालते हैं, लेकिन भाभी के कोरड़े की मार को हंसते-हंसते सहन करना ही उस दिन का सबसे बड़ा पौरुष माना जाता है। कुछ स्थानों पर तो यह उल्लास आनंद की पराकाष्ठा को प्राप्त करता है, जब फाग खेलते समय गोबर, कीचड़ और तेल

का प्रयोग भी धुलेंडी खेलते समय देवर-भाभियों द्वारा किया जाता है, लेकिन मनों में थोड़ा-सा भी दुराव नहीं होता। वास्तव में अगर सालभर में किसी के मन में किसी के प्रति कोई मालिन्य आ भी गया हो तो फाग खेलने के बाद दूर हो जाता है। जैसे-जैसे दोपहर चढ़ती है तो 'फाग' के गीतों की गर्जना आसमान को छूने लगती है। फागण के लोकगीत भी अद्भुत खुशी देते हैं और मस्ती का सृजन करते हैं। यह वह समय है, जब बच्चों और बड़ों के साथ-साथ बुजुर्गों से भी मजाक करते हुए गीत गाए जाते हैं...

काची अम्बली गदराई सामण मैं
बुड्ढी री लुगाई मस्ताई फागण मैं
कहियो री उस ससुर मेरे नै बिन घाली लेजा फागण मैं
कहियो री उस बहुए म्हारी नै चार बरस डट जावे

पीहर मैं फागण का मस्ती से भरा लोकगीत देखिए..

फागण के दिन चार री सजनी, फागण के दिन चार।
मध जोबन आया फागण मैं फागण बी आया
जोबन मैं झाल उठे सैं मेरे मन मैं
जिनका बार न पार री सजनी, फागण के दिन चार..

हरियाणा में फाग का यह हुड़दंग 'लूर' नृत्य के बिना अधूरा है। लूर नृत्य में महिलाएं दो पंक्तियों में खड़ी होकर प्रश्न-उत्तर की शैली में गीत गाती हैं। फाग के दौरान हरियाणा का खान-पान भी अपने विशेष रंग में होता है। घर-घर में 'गुझिया', 'शक्करपारे' और दूध-केसर की 'ठंडाई' का दौर चलता है। कई गांवों में आज भी 'सामूहिक भोज' की परंपरा है, जहां पूरा गांव एक जगह बैठकर भोजन करता है, जो सामाजिक समरसता का सबसे बड़ा उदाहरण है।

फाग के इस मदमस्त उल्लास में एक और महत्वपूर्ण पक्ष 'स्वांग' और 'रागनी' का है। शाम होते-होते जब रंगों का खेल थमता है, तो चौपालों पर रागनी की महफिलें सजती हैं। इन रागनियों में फाल्गुन की महिमा, वीरों की गाथाएं और हास्य-व्यंग्य की ऐसी बौछार होती है कि दिन भर की थकान कपूर की तरह उड़ जाती है। लोग नहा-धोकर, सफेद कुर्ता-पायजामा और खाकी खंडवा पहनकर एक-दूसरे के घर गले मिलने जाते हैं। असल में हरियाणा में होली और धुलंडी का यह पर्व केवल तिथि विशेष का आयोजन नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और सामाजिक समरसता का महापर्व है। जहाँ होली की अग्नि व्यक्तिगत अहं और संचित कड़वाहटों को स्वाहा कर मन को सात्विक बनाती है, वहीं धुलंडी का हुड़दंग रिश्तों की मर्यादाओं को प्रेम और ठिठोली के नए रंगों से सींचता है। यह उत्सव प्रमाणित करता है कि हरियाणा की सांस्कृतिक आत्मा में जितनी कठोरता पौरुष की है, उतनी ही तरलता सामूहिक आनंद और अटूट भाईचारे की भी है।

कविता

सविता गर्ग सावी

फागण रंग रंगीला

फागण आया रंग रंगीला
रक्का पड़ रया भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

कमर के ऊपर बांध के पटका
बंसी बीच फसाई
रूप अनोखा देखन आए
सारे लोग लुगाई
कट्ठी हो के सखियां नै फेर
घेर लिए गिरधारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी

राधा रानी बन के जाटनी
ले के कोरडा आई
गिरधारी की खैर नहा [redacted]
सोच सोच मुसकाई
आज जगत के रखवाले [redacted]
पड़ री जाटनी भारी
हरियाणे मैं होली खेलन
आए कृष्ण मुरारी।

कविता

दलबीर सिंह फूल

बाळक पण की होळी

छुट्या लहारसा खेलण का
ना खेलणिया की टोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

कैंरा आळी लकड़ी का हम
डाण्डा काट्या करते
कट्ठे होकै टाबर सारे
डाण्डा गाड्या करते
छड़ी भींटका ठावण तै फेर
ना कोय नाट्या करते
होळी ऊंची चढावण नै हम
रात्यूं हाण्डया करते
नित नये सांग काढया करते
लेकै हाथ लठोळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

ईब देख इस होळी नै
आख्यां मैं खून उतरता
कोय पुरणी रंजीस हो
वो इस द्यन पूरी करता
कीचड़ गारया फैकण लागे
देख -देख मैं डरता
कोळी भरकै मिलै नही तो
कोन्या जी सा भरता
हाथ मिला कै दूर हटैं
बात हुई सब ओळी
याद भतेरी आवै सै मेरै
बाळक पण की होळी

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

हरियाणवी होली

प्रदेश में यो त्योहार भाईचारा बढाण का अर मखौल (मजाक) करण का मौका सै

बुरा ना मानियो, रंग तो लागैगा

रंगों का त्योहार

फीचर डेस्क

राम-राम भाइयो और बहणो! आगी होली! हरियाणा की होली सिर्फ रंगों का त्यौहार कोन्या ये तो भाईचारा बढाण का और सबसे ज्यादा मखौल (मजाक) करण का मौका सै। हरयाणे में होली का मतलब है-चाहे कोई कितणा भी तगड़ा 'चौधरी' क्यूं न हो, आज तो वह 'बहुरूपिया' बनकर ही घर लौटेगा।

धोती-कुर्ता और पक्के रंग की जंग

होली के दिन सबसे पहले तो अलमारी में से वो 'सफेद कुर्ता-पजामा' या धोती निकाली जावे सै जो साल भर से 'कोमा' में थी। क्योंकि यो भाई हरयाणे में 'गुलाल' से होली कोन्या खेली जावे, इत्थे तो 'पक्का रंग' चाले सै-हरा नीला पीला... जो हफ्ता भर थारे चेहरे पे थारी 'पहचान' बणाए राखेगा।

बुरा न मानियो, सबसे बड़ा बहाना

गाम में टोली बण के निकड़े हैं युवा। कोई बाल्टी लेकर, कोई पिचकारी। गली में जो भी मिल गया समझो 'खत्म'। कोई आंटी-ताऊ अगर ना भी कहें तो भी पीछे से आवाज़ आवे सै—'अरे ताऊ बुरा न मानियो आज तो होली है!' और ताऊ भी क्या करें? मखौल में रंग लगवाना ही पड़े सै।

भाभी और देवर का 'फाग'

हरियाणवी होली में सबसे मजेदार सीन होवे सै जब भाभी-देवर का 'फाग' (होली के गीत) चले सै। देवर अपनी भाभी को हराने के लिए पूरा गाम छान मारता है। भाभी-देवर के मखौल में रंग और गुलाल की ऐसी बौछार होवे सै कि 'मेरा रंग जमा जा तू' के सुर गूंज उठें। इस दिन भाभी देवर को कोलड़े मारती है और देवर उससे बचाव के तरीके अपनाता है।

देसी होली का स्वैग

रंग खेलने के बाद की असली कहानी तो गुझिया और ढोकले (या घर की बनी रोटियां) के साथ चले सै। घर-घर जाकर रंग लगाना और फिर 'के हाल सै भाई?' कहकर गले मिलना ही असली हरियाणवी भाईचारा है।

वो खास रंगीले साथी

हर गाम में एक-दो ऐसे 'काका' या 'ताऊ' ज़रूर होते हैं, जो होली के सबसे बड़े शिकार होते हैं। वो गली के कौने में छुपे मिलेंगे, पर गाम के छोरे उन्हें ढूँढ ही लेंगे। 'आज तो संतोष भाभी का गुलाल लगा और चोट बड़ा पहचान भी कौन है!' - ये माहौल रहता है!

निष्कर्ष : होली का मतलब है पुराना वैर-भाव भूलकर रंगां में रंग जाणा। चाहे कितना ही कोई 'धोरा' (पास) आने से डरे पर हरयाणे की होली में 'रंग तो लागैगा मखौल तो होवैगा!'

तो उठाइए बाल्टी, मिलाइए पक्का रंग और कहिए- बुरा न मानियो होली सै भाई!

चटपटे होली चुटकुले

पति-पत्नी की लट्ठमार होली

एक घर से रमन और उनकी पत्नी निशा के हंसने की बहुत आवाजें आती थीं। मोहल्ले के लोग खुशहाली का राज जानने पहुंचे।
रमन बोला- 'बहुत सरल है, हमारे यहां मेरी बीवी बेलन, चिमटा आदि फेंककर मारती है। हम लट्ठमार होली खेलते हैं! अगर मुझे लग जाता है तो वो हंसती है और नहीं लगता है तो मैं हंसता हूं।'

नाले में 'मेहबूबा'

योग स्वामी दामदेव को गाने का बड़ा शौक था। होली की मस्ती और भांग के रंग में वे गाते हुए जा रहे थे- 'मेहबूबा, मेहबूबा...'तभी छपाक से एक नाले में गिर गए!

अब उनकी कांपती हुई आवाज आई- 'मैं डूबा, मैं डूबा...!'

होली और नहाना

एक आदमी होली पर गाना गुनगुना रहा था- 'घर में नहीं है पानी तो होली कैसे मनाऊं रे!'

पड़ोसी ने सुना तो कहा- 'भाई, पानी हो न हो, होली तो मनानी ही चाहिए। उधार लेकर ही सही, साल में कम से कम एक बार तो नहाना ही चाहिए!'

रंग की बाल्टी की दूरी

एक आदमी सड़क पर सफेद पट्टी रंगने का काम कर रहा था। पहले दिन उसने 6 मील पुताई की, दूसरे दिन 3 मील और तीसरे दिन सिर्फ 1 मील। ठेकेदार ने कारण पूछा तो उसने कहा- 'साहब, काम तो मैं जल्दी ही कर रहा हूं, पर हर अगले दिन मुझे बाल्टी तक वापस आने के लिए बहुत लंबी दूरी तय करनी पड़ती है!'

दारू छोड़ने का इरादा

एक शराबी बोला- 'आज होली है, सोच रहा हूं दारू छोड़ दूं... लेकिन किसके पास छोड़ूं? फेर कई देर सोचे पाछे बोल्या, सभी दोस्त साले कमीने हैं, होली के पहले ही पी जाएंगे!'

होली की दुल्हंडी : रंग, राड़ अर रसभरी ठिठोली

इंद्रधनुष

फीचर डेस्क

हरियाणा में होली के अगले दिन आवे सै दुल्हंडी (धुलेंडी)। यो दिन असल में रंगां की "फुल एंड फाइनल सेटलमेंट" सै। होलिका दहन की आग ठंडी हो जावे सै, पर गांव के छोऱ्यां की शरारतां की आग और तेज हो जावे सै। दुल्हंडी का मतलब साफ सै—आज कोई नहीं बचेगा, चाहे वो कित्ता ही बड़ा ज्ञानी, सयाणा या सीधा क्यों ना हो। सुबह-सुबह गांव में अजीब सी खामोशी दिखे सै, पर यो तूफान से पहले की शांति हो सै। छोरे पहले ही रात नै बाल्टियां भर के रख लें सै। किसी के घर के आगे ड्रम, कहीं टंकी, कहीं पाइप सीधे नल पे फिट।

जैसे ही पहला भोला-भाला आदमी गली में निकले, चारों तरफ से हमला—रंग, पानी, कीचड़, गुलाल! बेचारा समझे कि दूध लेने निकला था, पर वापस आवे सै तो पूरा "चलता-फिरता इंद्रधनुष" बन के।

दुल्हंडी में एक खास बात हो सै- आज "ना" का कोई मतलब ना हो। अगर कोई बोले, "भाई मैं रंग ना खेलूं," तो समझ लो उसके ऊपर स्पेशल पैकेज लागू हो गया। दो छोरे हाथ पकड़ें सै, तीसरा बाल्टी उड़ेल दे सै, चौथा फोटो खींच ले सै। फेर शाम नै वही फोटो पूरे गांव में घूमे सै।

गांव की ताई-चाची भी कम ना सै। जद छोरे ज्यादा उधम मचावें सै तो ताई बाल्टी ले के तैयार। बोले- "रुको, मैं बताऊं असली रंग के हो सै!" अर एक ही वार में सारे हीरो जमीन पे। बाद में वही ताई गुजिया खिलावै सै अर कहे- "बुरा मत मानियो, दुल्हंडी सै।"दुल्हंडी का सबसे मजेदार सीन तो तब बने सै जद कोई नया दामाद पहली बार ससुराल आवे। बेचारा सोच के आवे सै कि इज्जत होगी, सत्कार होगा। पर यहां तो पहले से ही कमेटी बैठी हो सै—"आज जीजा की खैर ना।" जैसे ही जीजा बाहर निकले, रंग की बौछार। एक बार तो एक जीजा के जूते तक गुलाबी कर दिए। दो दिन बाद ऑफिस गया तो सहकर्मी पूछें—"सर, आप होली खेले थे या पेंट की दुकान में गिरे थे?"दुल्हंडी में खाने-पीने का भी अलग ही सिस्टम सै। सुबह से ही घर-घर पकवान। पर छोरे इतने व्यस्त हों सै रंग में कि खाने का टाइम ही ना मिले। जद थक जावें सै, तब याद आवे सै कि पेट भी कोई चीज हो सै। गुजिया, दही-बड़े, मठरी सब ऐसे साफ हों सै जैसे गांव में टिड्डी दल आ गया हो।अर भाई, कुछ "खास" लोग भांग की ठंडाई भी पी लें सै। फेर दुल्हंडी के रंग में दर्शनशास्त्र शुरू हो जावे सै।

दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै, जो सिखावै सै के जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

एक काका बोले- "रंग असल में जिंदगी का प्रतीक सै।" दूसरा जवाब दे- "पहले तू घर जा, तेरी घरवाली प्रतीक समझा देगी।" चौपाल में हंसी का फव्वारा फूट पड़े सै। पहले के टाइम में दुल्हंडी ज्यादा सादी अर ठेठ होती थी। टेसू के फूल उबाल के रंग बनावें सै, कीचड़ भी चलता सै। अब के टाइम में डीजे, स्पीकर, कलर स्प्रे अर सेल्फी स्टिक आ ली सै। पर असली मजा तो गांव की गलियां में ही सै-जहां हर कोई एक-दूजे के घर बिना बुलावे घुस जावे सै, अर बोले-"आज तो रंग लगाके ही मानूंगा।"

दुल्हंडी का असली मतलब राड़-झगड़ा ना, बल्कि दिल खोल के हंसणा सै। जो मन में गिला-शिकवा हो, रंग लगा के मिटा दो। एक-दूजे नै गले लगाओ अर कहो- "भाई, दुल्हंडी सै, भूल जा सारी बात।" शाम होते-होते सब थक के चूर हो जावें सै। कोई नाली में फिसल के आया हो सै, कोई बाल्टी से भीग के। पर चेहरे पे मुस्कान जरूर हो सै। कपड़े चाहे खराब हो जावें, पर यादां नईं धुलें सै।

तो भई, दुल्हंडी हरियाणा की वो परंपरा सै जो सिखावै सै कि जिंदगी में थोड़ा रंग, थोड़ी शरारत अर ढेर सारी हंसी जरूरी सै। बाकी अगर कोई ज्यादा रंग दे दे तो बुरा मत मानियो- दुल्हंडी सै!

खबर संक्षेप

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन सफलतापूर्वक सम्पन्न

भिवानी। टीआईटीइस में आयोजित दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एडवांस्ड टेक्सटाइल्स, स्ट्रक्चरल कंपोजिट्स एंड जियोसिंथेटिक्स के द्वितीय दिवस पर उन्नत वस्त्र प्रौद्योगिकी, संरचनात्मक कंपोजिट्स, नैनो प्रौद्योगिकी तथा सतत नवाचारों पर केंद्रित महत्वपूर्ण प्लेनरी व्याख्यान एवं समानांतर तकनीकी सत्र आयोजित किए गए। दूसरे दिन यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्ट अटिका, ग्रीस और ऑटेक्स के पूर्व चेयरमैन प्रोफेसर सवास वास्लीयडीस ने इलेक्ट्रिसिटी एंड टेक्सटाइल्स पर व्याख्यान देते हुए स्मार्ट एवं क्रियाशील वस्त्र प्रणालियों की संभावनाओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भविष्य में विद्युत-सक्षम वस्त्र स्वास्थ्य, रक्षा तथा औद्योगिक क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन लाएंगे।

18 युवाओं ने रक्तदान कर कमाया पुण्य

भिवानी। नवदुर्गा सेवा सहयोग संस्था के संस्थापक सुरेश सैनी के 51वें जन्मदिन पर में चौ. बंसीलाल सामान्य अस्पताल के ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 18 रक्तदाताओं ने स्वेच्छा से रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पराक्रमी योद्धा फाउंडेशन के संस्थापक व सरकार में उच्च अधिकारी विजेंद्र वर्मा उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में मुस्लिम खिदमत सोसाइटी के जिला प्रधान जोरावर अली, पूर्व पार्षद राजकुमार तंवर एवं बीरेंद्र जालंधरा फाउंडेशन के संस्थापक विशाल जालंधरा मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्षद विनोद प्रजापति ने की। अतिथियों ने रक्तदाताओं को बैज लगाकर व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया। सुरेश सैनी ने स्वयं 52वीं बार रक्तदान किया।

नगर परिषद ने दी 40 लाख रुपये की सौगात

चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने नारियल फोड़कर किया गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ

पिपली वाली जोहड़ी, हनुमान ढाणी इलाके में चार गलियां की जाएंगी पक्की

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

रविवार को नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने पिपली वाली जोहड़ी, हनुमान ढाणी इलाके में करीब 40 लाख रुपये की लागत से बनने वाली चार गलियों के निर्माण कार्य का नारियल फोड़कर शुभारंभ करवाया। इस दौरान नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने वहां पर मौजूद लोगों का मुंह मीठा करवाया। उसके बाद नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि ने मूल चंद मंदिर के पास दो गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ करवाया। इन गलियों पर करीब 18 से 20 लाख रुपये की लागत आएगी।

दोनों जगहों पर गलियों के निर्माण कार्य शुरू होने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली और खुशी मनाई। उक्त सभी छह गलियां अन्य गलियों की अपेक्षा लंबी है और इन गलियों के आसपास ज्यादा आबादी रह रही है। खासकर मध्यम व गरीब तबकें के लोगों के आवास है। लोगों का कहना था कि गलियां पक्की होने के बाद उनको किसी तरह की कोई समस्या नहीं रहेगी। खासकर बारिश के दिनों में होने वाले किचड़ से उनको छुटकारा मिल जाएगा। इन कार्यों के शिलान्यास के बाद लोगों ने नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि का आभार जताया।

भिवानी। नारियल फोडकर गलियों के निर्माण कार्य शुरू करवाते हुए। फोटो : हरिभूमि

कोई गली कच्ची नहीं रहेगी स्वच्छता को लगेंगे पंख

गलियों का निर्माण कार्य शुरू करवाए जाने के बाद नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि शहर में एक भी कच्ची गली बाकी नहीं रहने दी जाएगी। लोग उनको कच्ची गलियों के बारे में जानकारी दे। उन गलियों को तत्काल पक्का करवाया जाएगा। गली व सार्वजनिक स्थान उस क्षेत्र का आईना होते है। अगर शहर में कोई गली कच्ची नहीं रहेगी। इस मौके पर पार्षद पवन सैनी, मोनू बादशाह, जयबीर रंगा, विनोद बेडवाल के अलावा दिनेश काकू, प्रदीपतंवर, दीपक शर्मा, मनोज कुमार, विक्की, राजू मेहरा, विकास महेश्वरी, अंकूर बंसल आदि मौजूद रहे।

क्या कहते हैं चेयरपर्सन प्रतिनिधि

नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि आज उन्होंने वार्ड संख्या 14 व 15 में पिपली वाली जोहड़ी इलाका की चार गलियों तथा वार्ड संख्या 24 दो गलियों का दो गलियों के निर्माण कार्य का शुभारंभ करवाया है। इन गलियों के निर्माण पर करीब 60 लाख रुपये की लागत आएगी। उन्होंने बताया कि अभी तक करीब ढाई सौ गलियों का निर्माण करवाया जा चुका है। दो गलियों का निर्माण कार्य जारी है। इनके अलावा जो भी कच्ची गली की उनके पास सूचना आती है वे तत्काल उस गली के निर्माण की प्रक्रिया शुरू करवा रहे है। ताकि शहर में कोई भी गली कच्ची नजर न आए।

शिविर में 350 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

भिवानी। शिविर में मरीजों की जांच करते स्वास्थ्यकर्मी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भारतीय ट्रेड यूनियन आंदोलन के पुरोधा और रेल कर्मचारियों के हक की आवाज बुलंद करने वाले कामरेड उमराव मल पुरोहित की जयंती पर रविवार को निःशुल्क चिकित्सा परामर्श एवं जांच शिविर का आयोजन किया। शिविर नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे एम्पलाइज यूनियन एवं श्रीबाबा योगी नाथ हॉस्पिटल व रिसर्च सेंटर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया।

इस दौरान 350 के करीबन कर्मचारियों व उनके परिजनों के स्वास्थ्य की जांच हुई। रेलवे कॉलोनी में शिविर में सुबह 10 बजे से ही रेलकर्मियों और उनके परिजनों ने आकर जांच करवाई। यूनियन के पदाधिकारियों ने बताया कि कामरेड पुरोहित का जीवन श्रमिकों की सेवा में समर्पित था।

■ कामरेड पुरोहित का जीवन श्रमिकों की सेवा में रहा समर्पित

इन्होंने की जांच

शिविर में डॉ. राजीव गिरधर ने हृदय रोग, डॉ. वरुण कुमार ने बुखार, शुगर, बीपी और अन्य सामान्य बीमारियों की जांच की। डॉ. आशीष दहिया ने जोड़ों के दर्द और रीढ़ की हड्डी से जुड़ी समस्याओं का उपचार किया। डॉ. आरपी. शर्मा ने पथरी, हर्निया और अन्य सर्जिकल परामर्श दिया।
डॉ. तनुज गावा ने आंखों की जांच और मोतियाबिंद परामर्श दिया तथा डॉ. भूपसिंह ने दांतों की सफाई और जटिल रोगों का निदान किया। यूनियन के कृष्ण कौशिक, देवेन्द्र यादव और सुरेश चौधरी ने कहा कि कामरेड उमराव मल ने अपना पूरा जीवन रेल कर्मचारियों के जीवन स्तर को सुधारने और उनके अधिकारों की लड़ाई के लिए समर्पित कर दिया।

सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक जागरूकता की आवश्यकताः शकुंतला

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहल

मंढोली कलां मंडल का रविवार को गांव मंढोली कलां में भव्य हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों, महिलाओं और युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। सम्मेलन का उद्देश्य समाज में सांस्कृतिक मूल्यों को मजबूत करना, नैतिक शिक्षा का प्रसार करना, आपसी भाईचारे को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम की मुख्यतिथि ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय बहल से पधारी बीके शकुंतला रहीं। उन्होंने आध्यात्मिकता, आत्मशक्ति और संस्कारों के महत्व पर प्रकाश डाला।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में समाज को सकारात्मक सोच और आध्यात्मिक जागरूकता की अत्यंत आवश्यकता है। उन्होंने सभी को अपने जीवन में नैतिक मूल्यों को अपनाने और परिवार व समाज में सद्भाव बनाए रखने का संदेश दिया। पंच परिवर्तन स्वदेशी, सामाजिक समरसता, कुटुंब प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण और नागरिक कर्तव्य पर जोर दिया।मुख्य वक्ता के रूप में सामाजिक कार्यकर्ता सुशील केडिया ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने हिंदू समाज की एकता, संगठन और सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे अपनी संस्कृति और विरासत को समझें, समाज निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएं। उन्होंने कहा कि संगठित समाज ही राष्ट्र की प्रगति का आधार बनता है। कार्यक्रम के दौरान भजन, प्रवचन और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी आयोजित की गईं, जिनसे वातावरण भक्तिमय और प्रेरणादायी बन गया।

गांव हसान में पेयजल लाइन की लीकेज को किया दुरुस्त

■ पूरे गांव में हर रोज ग्रामीणों को स्वच्छ जल की आपूर्ति हो रही

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

जिला स्तर पर समय- समय पर जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा जल की बर्बादी को रोकने व पेयजल लाइन के रिसाव को दुरूस्त करने के लिए अभियान चलाए जाते हैं। ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ जल मिल सकें।जिसका असर तोशाम खंड के गांव हसान में देखने को मिला। यहां के जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग में कार्यरत कर्मचारी संदीप गौड़, प्रीतम कुमार, कर्मेन्द्र सिंह, विनोद व मनबीर ने बताया कि हमारे तोशाम जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग के कार्यकारी अभियंता विकास धनखड़ के दिशा निर्देशानुसार व एसडीओ विक्रम पूनिया, कनिष्ठ अभियंता योगेन्द्र जाखड़ के मार्गदर्शन में अभियान चलाकर पूरे गांव में जहां- जहां भी पेयजल लाइन लीकेज थी उसको दुरुस्त करवा दिया गया है। अब पूरे गांव में पेयजल लाइन कहीं भी लीकेज नहीं है। पुरे गांव में हर रोज ग्रामीणों को स्वच्छ जल की आपूर्ति हो रही हैं। सरपंच प्रतिनिधि जयभगवान तक्षक ने बताया कि कर्मचारियों की कार्यशैली से सभी ग्रामीण संतुष्ट है।यदि जल घर पर एक और वाटर टैंक बन जाता है तो भविष्य में पिने के पानी की समस्या नहीं रहेगी। जहां-जहां पुरानी लाईन शेष रह गई है उनको भी बदला जाएं। कार्यकारी अभियंता विकास धनखड़ ने बताया कि समय- समय पर कर्मचारियों को जल घरों पर साफ सफाई के लिए बोला जाता है। हमारा उद्देश्य है प्रत्येक गांव में कहीं भी पेयजल लाईन लीकेज ना हो ताकि ग्रामीणों को स्वच्छ जल की आपूर्ति हो सकें। जल घर पर कार्यरत संदीप गौड़ ने बताया कि हमारे द्वारा ग्रामीणों को समय- समय पर जागरूक कैंप के माध्यम से पानी की बर्बादी रोकने व अपने नलकूपों पर टोटी लगाने के लिए जागरुक करते हैं।

तोशाम। तोशाम के जलघर के भवन का दृश्य। फोटो : हरिभूमि

दूसरे जलघरों के लिए बना रोल मॉडल

हसान जल घर पर लगे फलदार, छायादार पौधे व स्वछता अन्य जल घरों के लिए रोल मॉडल बन गया है। संदीप गौड़ ने बताया कि उनके मन में जल घर में पौधे लगाने की टीस कोरोना काल से सबक लेकर पैदा हुई और आज करीब चार एकड़ में बना जल घर चारों तरफ से हरे भरे पेड़ पौधों से घिरा हुआ है।जोकि अन्य जल घरों के कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत का कार्य है।

जल की बर्बादी रोकने के लिए बनाया गांव का व्हाट्सप ग्रुप...

ग्रामीणों को पेयजल लाईन चलने व बंद होने की सुचना देने के लिए 'जल घर हसान-समय सारणी' के नाम से वॉटसएप ग्रुप बनाया ताकि ग्रामीणों को प्रतीक्षा भी नहीं करनी होगी की कब पानी आएगा और बंद होगा।जिससे समय की बचत के साथ-साथ ग्रामीण सजग रहेगें तो पानी की बर्बादी कम होगी।

एक करोड़ इक्कीस लाख रुपये का एस्टीमेट बनाकर मुख्य कार्यालय भेजा

कनिष्ठ अभियंता योगेन्द्र जाखड़ ने बताया कि हसान जल घर पर दुसरा वाटर टैंक निर्माण, पम्प हाउस पर अधिक क्षमता की मोटर, फिल्टर सफाई,रंग रोंगन,पुरानी पेयजल पाईप लाईन की जगह नई लाईन व कुछ जगहों पर नई लाईन लगाने के लिए विभाग द्वारा करीब 1 करोड़ इक्कीस लाख रुपये का एस्टीमेट बनाकर मुख्य कार्यालय भेज दिया गया है। पास होने पर शीघ्र कार्य शुरू करवा दिया जाएगा।

होली मिलन समारोह मनाया

■ होलिका दहन में नागरिकों को अपने भीतर की बुराइयों को त्यागना चाहिए : प्रधान भूप सिंह

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

नेहरू पार्क के सामने स्थित सैनी धर्मशाला में रविवार को सैनी कल्याण परिषद द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज के विभिन्न गणमान्य व्यक्तियों और पदाधिकारियों ने शिरकत की। कार्यक्रम के दौरान पूरा परिसर अबीर-गुलाल के रंगों और आपसी प्रेम के उल्लास में सराबोर नजर आया। समारोह की शुरुआत में सभी पदाधिकारियों ने एक-दूसरे को तिलक लगाकर होली की अग्रिम शुभकामनाएं दीं। इस दौरान केवल रंगों का उत्सव ही नहीं मनाया गया, बल्कि समाज को एक सकारात्मक दिशा देने पर भी चर्चा हुई। उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने आह्वान किया कि जिस प्रकार हम होलिका दहन करते हैं, उसी प्रकार हमें अपने भीतर की बुराइयों को त्यागना चाहिए और समाज में व्याप्त कुरीतियों के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाकर उन्हें जड़ से मिटाना चाहिए। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे परिषद के प्रधान भूप सिंह सैनी ने समाज को एकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि होली का पर्व केवल रंगों का खेल नहीं है, बल्कि यह खुशियों और आपसी भाईचारे का प्रतीक है। सैनी कल्याण परिषद हर वर्ष इस समारोह का आयोजन करती है ताकि समाज के लोग एक साथ बैठकर खुशियां साझा कर सकें।

भिवानी। गुलाल की होली खेलते हुए। फोटो : हरिभूमि

पंच परिवर्तन के संकल्प से होगा सशक्त भारत का निर्माण : डॉ. चंद्र भूषण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

नया बाजार स्थित सदन में रविवार को श्रद्धा, राष्ट्रवाद और सामाजिक एकता का अनूठा संगम देखने को मिला। जनजागरण हिन्दू सम्मेलन आयोजन समिति द्वारा आयोजित सम्मेलन में हिन्दू परिवारों ने शिरकत कर अपनी सांस्कृतिक जड़ों की ओर लौटने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10 बजे आचार्य पंडित कृष्ण और बाबा रामअवतार ने हवन यज्ञ संपन्न करवाया। मंत्रोच्चार के बीच दी गई आहुतियों ने वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया।

इसके पश्चात सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ किया गया, जिसमें उपस्थित जनसमूह की गूंज ने भक्तिमय माहौल बना दिया। सम्मेलन का मुख्य आकर्षण राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा प्रतिपादित पंच परिवर्तन के पांच स्तंभ रहे। मुख्य वक्ता डॉ. चंद्र प्रकाश ने कहा कि भारत के पुनर्निर्माण के लिए जाति-भेद को मिटाकर ऊंच-नीच से मुक्त समाज का निर्माण। संयुक्त परिवार के मूल्यों को जीवित रखना और बच्चों में भारतीय संस्कार डालना। प्रकृति का सम्मान और पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाना। भारतीय उत्पादों को प्राथमिकता देकर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देना। समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारी से निर्वहन करना, इन पांच सिद्धांतों को जीवन में उतारना अनिवार्य है। आयोजित कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में गोवर्धन आचार्य, शशि भारद्वाज एवं अधिवक्ता खुशीराम शर्मा उपस्थित रहे।

दिल्ली रैली के लिए बनाई रणनीति

■ भाजपा सरकारों की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ हरियाणा में जत्थे चलेंगे : कामरेड ओमप्रकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

किसान-मजदूरों व आमजनता के विरोध की नितियों के विरुद्ध व जनहित में वैकल्पिक नीतियां लागू करवाने हेतु माक्र्सवादी कम्यूनिस्ट पार्टी 24 मार्च को दिल्ली के रामलीला मैदान में एक रैली आयोजित करने जा रही है। रैली के केंद्र में अपनी वाजिब मांगों को लेकर संघर्षरत किसान मजदूर व आम जनता होगी। इसकी जानकारी देते हुए बामला गांव की भकलान धर्मशाला में आयोजित ग्रामीणों की बैठक में किसान-मजदूर नेता कामरेड ओमप्रकाश व करतार ग्रेवाल ने बताया कि उक्त दिल्ली रैली हेतु 9 मार्च को किसान-मजदूर को व पार्टी जत्था तोशाम, बिधवान, बाढड़ा व दादरी पहुंचेंगा।

वहीं 10 मार्च को बामला, कुंगड़, भिवानी व धनाना में जाएगा। इस जत्थे का उदेश्य किसानों को न्यूनतम समर्थन मूल्य की संवैधानिक गारंटी, बिजली निजीकरण व बीज विधेयक तथा नया मंडी कानून वापिस हो, किसान मजदूर कर्जमुक्त हो, चार श्रम संहिताओं को रद्द करके 29 श्रम कानून बहाल हो, मनरेगा कानून बहाल हो तथा रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य व खेती पर बजट बढ़े, अमेरिका व यूरोपियन यूनियन के साथ बराबरी के आभार पर व्यापार समझौता हो, कृषि व डेयरी उत्पादों को आयात के लिए खुली छूट देना बंद हो।

किसान मजदूरों को संबोधित करते कामरेड ओमप्रकाश। फोटो : हरिभूमि

बजट में किसानों को केवल वादे नहीं, ठोस समाधान चाहिए : राकेश

भिवानी। हरियाणा विधानसभा का बजट सत्र शुरू होने के साथ ही प्रदेश के अन्नदाता की नजरें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा पेश किए जाने वाले बजट 2026 पर टिकी हैं। इस बीच भारतीय किसान यूनियन के जिला अध्यक्ष राकेश आर्य ने किसानों की ज्वलंत समस्याओं को लेकर सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि आगामी बजट में किसानों के हित में बड़े फैसले नहीं लिए गए तो यूनियन सडक़ों पर उतरने से पीछे नहीं हटेगी। प्रैस को जारी बयान में भाकियु जिला अध्यक्ष राकेश आर्य ने कहा कि किसान आज कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। उन्होंने सरकार से मांग की कि बजट 2026 में सरकार केवल घोषणाएं न हों।

गांव चांग के श्रीसंत आश्रम में सत्संग और भंडारे का आयोजन

पूरी सृष्टि का एक ही भगवानः स्वामी मंगलानन्द

जात-पात को भूलकर मानव जाति से प्रेम करें एवं सत्य का संग करें: मंगलानंद

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

गांव चांग के श्रीसंत आश्रम में रविवार को समाजसेवी जागेराम रंगा की स्मृति में सत्संग एवं भंडारा प्रसाद का आयोजन किया। इस मौके पर स्वामी मंगलानंद महाराज ने उपस्थित श्रद्धालुओं को राम नाम का जाप करने, बुरी संगत एवं वासनाओं का त्याग कर भगवान की भक्ति करने का आहान किया और भंडारे का आयोजन करने वाले ईएनटी विशेषज्ञ डॉ. रुपेंद्र रंगा एवं उनके परिवार को आशीर्वाद दिया।

श्रीसंत आश्रम में भारत हॉस्पिटल के डायरेक्टर ईएनटी विशेषज्ञ डॉक्टर रूपेंद्र रंगा ने अपने पिता जागेराम रंगा की समृति में सत्संग एवं भंडारा कार्यक्रम का आयोजन करवाया। इस मोके पर स्वामी मंगलानंद ने बताया कि जागेराम रंगा ने मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार को इतना शिक्षित बनाया कि उनके बड़े बेटे योगेशचन्द रंगा बतौर जिला शिक्षा अधिकारी पद से सेवानिवृत्त हुए, वहीं परिवार में एक दर्जन से अधिक चिकित्सक हैं।

भिवानी। सत्संग में स्वामी मंगलानंद के प्रवचन सुनते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

ये रहे मौजूद

कार्यक्रम में रोहतक पीजीआइएमएस के ईएनटी विभाग के पूर्व प्रभारी डॉ. एसपीएस यादव, डॉ. अतरसिंह दहिया, डॉ. राज सिसोदिया, डॉ. एडविन रंगा, डॉ. रूपेंद्र रंगा, डॉ. सरोज रंगा, सुशील रंगा डॉ. हिमांशी, डॉ. भारत रंगा, डॉ. तारिका, सुरेंद्र संभवाल, चांदराम बराड़, सुरेंद्र वर्मा व सुनील शर्मा आदि श्रद्धालु मौजूद रहे। स्वामी मंगलानन्द महाराज ने बताया कि पूरी सृष्टि का एक ही भगवान है, दुनिया में पाखंडी बहुत है, उनसे बचकर राम नाम का जाप करो, राम नाम के जप से ही आपको मोक्ष प्राप्त हो सकता हैं। उन्होंने कहा कि जैसी संगत करोगे, वैसे ही रंगत आएगी, अच्छे व्यक्तियों का संग करो, जिनसे अच्छा सीखने को मिले, जो आपको सतमार्ग पर चलने का मार्ग सुझाए। मांस मदिरा का सेवन करने वाले लोग भी दुनिया में बहुत अधिक है, जो आपको मित्र दोस्त होने की बात कहकर गलत संगत में धकेलना का प्रयास करेंगे, लेकिन जीव हत्या पाप है और हमें जीवो एवं पर्यावरण का सम्मान एवं संरक्षण करना चाहिए, जो प्रकृति का हिस्सा है और इनका सम्मान एवं संरक्षण करना हम सबकी जिम्मेदारी है। इसके बाद भंडारे में श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया।

व्यापार समझौते व किसानों की मांग को लेकर जताया विरोध

हरिभूमि न्यूज ⏭ तोशाम

रविवार को क्षेत्र के गांव सरल में ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन ने भारत अमेरिकी व्यापार समझौते एवं अन्य किसानों के महत्वपूर्ण मुद्दों की मांग को लेकर विरोध किया। इस मौके पर एआईकेकेएमएस के जिला प्रधान रोहतास सिंह सैनी ने बताया कि अमेरिकी भारत व्यापार समझौते से पहले से ही बर्बाद किसान और भी घाटे में चला जाएगा और उसके पास खेती छोड़ने के सिवाय और कोई चारा नहीं रहेगा।

उनकी संतानों के पास और कोई रोजगार न होने के कारण आत्महत्या करने पर मजबूर हो रहा है। संयुक्त किसान मोर्चा ने मांग रखी है कि भारत के राष्ट्रपति वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को बर्खास्त करें और भाजपा सरकार अमेरिकी भारत कृषि समझौता रद्द करे और गेहूं और धान पर किसानों को बोनस समाप्त करने वाले डीओ पत्र वापस ले। इस मौके पर संगठन के जिला सचिव एडवोकेट बस्तीराम ने अमेरिका-इजरायल द्वारा ईरान पर हमले का विरोध प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पास किया गया। एडवोकेट ने बताया ईरान पर अमेरिकी -इजराइल जोड़ी की ओर से किए गए अकारण हमले की ऑल इंडिया किसान खेत मजदूर संगठन निंदा करता है और प्रधानमंत्री मोदी द्वारा हत्यारे इजराइली प्रधानमंत्री को भाई कहने पर धिक्कारा। इस दौरान सभा को महेंद्र सिंह कटारिया, फूलचंद, नरसिंह ने भी संबोधित किया।

खबर संक्षेप

दो हत्यारो को 7-7 वर्ष कैद की सजा सुनाई

भिवानी। अदालत ने युवक के दो हत्यारों को सात-सात साल कैद की सजा सुनाई है। थाना जुई कलां क्षेत्र के अंतर्गत रहने वाले व्यक्ति ने थाना जुई कलां में शिकायत दर्ज करवाई थी। शिकायतकर्ता ने पुलिस को बताया कि आरोपियों ने उसके नाबालिग लड़के के साथ मारपीट कर उसकी हत्या कर दी। इसी मामले में न्यायालय ने आरोपी बजरंग पुत्र जय भगवान निवासी गांव धिराणा कलां जिला भिवानी तथा विशाल पुत्र मनोज कुमार निवासी गांव धिराणा कलां जिला भिवानी को 7-7 वर्ष कैद व 5000-5000 रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है।

कबड्डी में रेलवे का गोल्डन धमाका

भिवानी। कबड्डी के मैदान पर एक बार फिर भारतीय रेलवे का परचम लहराया है। गुजरात के वडोदरा में 72वीं सीनियर नेशनल कबड्डी चैंपियनशिप में भारतीय रेलवे की पुरुष टीम ने शानदार प्रदर्शन कर गोल्ड मेडल अपने नाम किया। ऐतिहासिक जीत के पीछे रेलवे के अनुभवी और कडक़ कोच नरेश घणघस की कड़ी मेहनत और सटीक रणनीति का सबसे बड़ा हाथ रहा है। बता दे कि 24 से 27 फरवरी तक चले महाकुंभ में देशभर के राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और सेना की दिग्गज टीमों ने शिरकत की। फाइनल मुकाबला कबड्डी के दो पावर हाउस भारतीय रेलवे और महाराष्ट्र के बीच खेला गया। मुकाबले में कोच नरेश घणघस द्वारा प्रशिक्षित रेलवे के जांबाज खिलाडिय़ों ने महाराष्ट्र को हराकर खिताबी जीत दर्ज की।

पंचायत में शांति बनाएं रखने पर दिया जोर

बहल। अलख आश्रम में युवक के साथ कथित मारपीट के मामले को लेकर रविवार को बहल कस्बे के मौजिज लोगों की पंचायत हुई। पंचायत में सैनी समाज सहित सर्वसमाज के लोगों ने भाग लेकर मामले पर चर्चा की और आपसी शांति बनाए रखने पर जोर दिया। रविवार को रामलीला ग्राउंड में आयोजित पंचायत की अध्यक्षता महावीर शर्मा ने की। पंचायत में लोगों ने अपने विचार रखे। चूंकि मामला कस्बे के सर्वसमाज के पूज्यनीय स्थल से जुड़ा हुआ है।

विजन कप में अधिवक्ता इलेवन का जलवा

चरखी दादरी। विजन क्रिकेट अकादमी में शनिवार को विजन कप के तहत रोमांचक मुकाबले खेले गए। दर्शकों को अधिवक्ता इलेवन और डॉक्टर इलेवन के बीच कांटे की टक्कर वाला मैच देखने को मिला, जिसमें अधिवक्ता इलेवन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 33 रन से जीत दर्ज की है।

1130 विद्यार्थियों ने लिया छात्रवृत्ति परीक्षा में भाग

चरखी दादरी। कादमा स्थित सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कादमा में प्रतिभाशाली विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति परीक्षा का सफल आयोजन किया गया। परीक्षा में क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में अध्ययनरत 1100 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विद्यार्थियों एवं अभिभावकों उत्साह दिखाई दिया।

हमें मतभेद भुलाकर देश की समरसता के लिए कार्य करना होगा: सुशील पंडित

सामाजिक समरसता व भाईचारा भारतीय संस्कृति की पहचान : कैप्टन अभिमन्यु

- सांस्कृतिक मंच द्वारा सांस्कृतिक सदन में आयोजित किया गया भिवानी स्थापना महोत्सव
- महोत्सव में हुआ समरस भारत- सशक्त भारत विषय पर व्याख्यान एवं अलंकरण समारोह

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सांस्कृतिक मंच, भिवानी द्वारा भिवानी की स्थापना के उपलक्ष्य में स्थानीय सांस्कृतिक सदन में एक शानदार महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें समरस भारत-सशक्त भारत विषय पर व्याख्यान एवं अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वालों वालों को सम्मानित किया गया। महोत्सव में प्रदेश के पूर्व वित्तमंत्री कैप्टन अभिमन्यु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। रूट्स इन कश्मीर संस्था के संस्थापक एवं कश्मीरी पंडितों के अधिकारों व उनके पुनर्वास के लिए आवाज मुखर करने वाले राजनीतिक विशेषज्ञ सुशील पंडित मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि आज हम यथार्थ से दूर होते जा रहे हैं, जो कि यह सही नहीं है। हमें यथार्थ को कभी नहीं भूलना चाहिए। उन्होंने कहा कि समाज में एकता और भाईचारा सबसे बड़ी चीज है और यही भारतीय संस्कृति की पहचान है। उन्होंने कहा कि समाज की समरसता ही देश के विकास का आधार है। उन्होंने कहा कि हमारी सांस्कृतिक विरासत हमें एकता के सूत्र में पिरोती है। समरस भारत- सशक्त भारत विषय पर मुख्य वक्ता के तौर पर बोलते हुए सुशील पंडित ने कहा कि हमें छोटे-छोटे सभी आपसी मतभेद भुलाकर देश की समरता के लिए कार्य करना होगा। उन्होंने कहा हमारी संपन्नता ही हमारी कमजोरी बनी। उन्होंने कहा कि इंसान की पहचान जन्म से नहीं बल्कि उसके कर्म से होती है। कर्म के आधार पर वर्ण व्यवस्था है।

भिवानी। लोगों को संबोधित करते कैप्टन अभिमन्यु। *फोटो : हरिभूमि*

भारत जैसा खूबसूरत देश दुनिया में नहीं

पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु ने कहा कि हमें देश की रक्षा के लिए कुछ भी करना पड़े, उसके लिए तैयार रहना चाहिए। हमें अपने देश को सशक्त बनाना है। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर के हालात एक व्यवस्थागत हिस्सा रहा है। जम्मू कश्मीर को धारा 370 की किलेबंदी में रखा गया। उन्होंने कहा कि भारत जैसा खूबसूरत देश दुनिया में नहीं है। उन्होंने कहा कि देश का कोई ऐसा जिला नहीं है, जहां से देश के लिए अपना बलिदान ना दिया हो। उन्होंने भिवानी को वीर-योद्धा,संत और विद्वानों की पावन धरती बताते हुए यहां से देश पर अपनी जान कुर्बान होने वाले अमर शहीदों को नमन किया। उन्होंने कहा कि हम शहीदों का ऋण कभी नहीं चुका सकते। सांस्कृतिक मंच के संस्थापक सदस्य जगतनारायण ने सभी मेहमानों का स्वागत व आभार प्रकट किया।

ये रहे मौजूद

इस मौके पर नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह, चौ. दरियाव सिंह की सुपुत्री सरोज सिंधू, कर्नल गजराज सिंह, महासचिव एडवोकेट रणविजय सिंह, अग्रसेन ट्रस्ट के अध्यक्ष रामदेव तायल, डॉ. बुद्धदेव आर्य, डॉ.इंदू शर्मा, यतीन्द्रनाथ, शशि परमार, संदीप वधवा, बलदेव शर्मा, एडवोकेट सुरेंद्र जैन, सुरेंद्र शर्मा, डॉ. आलोक नारायण शर्मा, भागीरथ शर्मा, सतेंद्र तंवर, डॉ. हरिओम शर्मा, रणबीर सिंह, महेंद्र तंवर देवसरिया, दलबीर ढांडा सहित अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

उल्लेखनीय कार्य के चलते मिला सम्मान

अलंकरण समारोह में गिंदोड़ी देवी की स्मृति में नंदिनी बजाज को, वैद्य सत्यनारायण शर्मा की स्मृति में सिविल सर्जन डॉ. रघुबीर शांडिल्य को, चौ. दरियाव सिंह ढिल्लो की स्मृति में आस्था स्पेशल स्कूल की संचालिका एडवोकेट सुमन शर्मा को, नरेंद्र शर्मा की स्मृति में पुरुषोत्तम वाल्मीकि को, श्री ज्ञानचंद टुटेजा की स्मृति में पर्यावरण प्रहरी केके वर्मा, फूलचंद शर्मा एडवोकेट की स्मृति में नेवी अधिकारी रमेश चौहान देवसरिया को सम्मानित किया गया। सभी को शॉल व स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। डॉ. जोगेंद्र कुमार ने सभी सम्मानित प्रबुद्घजनों का सम्मान पत्र पढ़ा। अलंकरण समारोह के दौराप पूरा सदन तालियां की गडग़ड़ाहट से गूंजता रहा।

भिवानी। कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद धर्मबीर सिंह। *फोटो : हरिभूमि*

भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व में सर्वश्रेष्ठ, इस पर गर्व करें: सांसद

- विद्यार्थियों को एआई के साथ ही व्यवहारिक ज्ञान एवं संस्कार अवश्य दें : धर्मबीर

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

भारतीय ज्ञान परंपरा विश्व में सर्वश्रेष्ठ है, इसका विश्व में कोई मुकाबला नहीं कर सकता है, हम अपनी इस भारतीय ज्ञान परंपरा पर पूर्णतया गर्व करें, ये विचार भिवानी-महेंद्रगढ़ से लोकसभा सांसद धर्मबीर सिंह ने विद्यानगर स्थित स्कूल और गांव सज्जनपुर के स्कूल के वार्षिक उत्सव समारोह में बतौर मुख्यतिथि संबोधित करते हुए कहे।

उन्होंने कहा कि आज आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का जमाना है, हम बच्चों को इस नई तकनीक से प्रशिक्षित अवश्य करें, लेकिन एच हमारा पूरी तरह से एआई पर निर्भर होना भी ठीक नहीं, क्योंकि इससे हमारी बौद्धिक क्षमता पर प्रभाव पड़ता है। सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि देश में हाल ही में दिल्ली में हुई एआई स्मिट का कुछ राजनीतिक लोगों ने विरोध किया जोकि दुर्भाग्यपूर्ण है। हम नई-नई तकनीक नहीं अपनाते तो क्या आज हम इतनी तरक्की कर पाते। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसानों के हित मे अनेक किसान कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया है।

देशी खाद का प्रयोग करें

केंद्र एवं प्रदेश सरकार किसानों को ऑर्गेनिक खेती के लिए प्रोत्साहित कर रही है। किसानों को केमिकल्स एवं पेस्टीसाइड, उर्वरकों की बजाय गोबर की देशी खाद का प्रयोग करना चाहिए। सांसद धर्मबीर ने आगे कहा कि किसानों को गेहूं का प्रयोग कम से कम एवं मोटे अनाजों का प्रयोग अधिक से अधिक करना चाहिए ताकि उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता एवं स्वास्थ्य बेहतर हो सके। उन्होंने ग्रामीणों से आह्वान किया कि वे अपने बच्चो को शिक्षित कर उन्हे उद्यमशील बनाएं और स्वरोजगार के लिए प्रोत्साहित करें और उन्हें बाहर भेजें। उन्होंने दोनों ही स्कूलों के प्रबंधन समिति के कार्यों की सराहना करते हुए विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

दादरी के लिए 11 करोड़ की राशि मंजूर

- पंचायत प्रतिनिधियों ने विधायक से की मुलाकात

हरिभूमि न्यूज ⏭ चरखी दादरी

विधायक सुनील सांगवान ने बताया कि हरियाणा सरकार द्वारा दादरी शहर तथा हलका के 34 गांवों के समग्र विकास कार्यों के लिए डिस्ट्रिक्ट माइनिंग फंड के तहत साढ़े 11 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत की गई है। यह धनराशि ग्रामीण एवं शहरी आधारभूत ढांचे को मजबूत करने के उद्देश्य से जारी की गई है, जिससे आम नागरिकों को बेहतर आवागमन और सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। विधायक सुनील सांगवान ने रविवार को अपने कैंप कार्यालय में पंचायत प्रतिनिधियों से मुलाकात की और सरकार द्वारा जारी ग्रांट बारे जानकारी देते हुए गांवों के विकास को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न गांवों से आए लोगों की जन समस्याएं सुनी और समाधान के निर्देश दिए।

चरखी दादरी। कार्यालय में समस्या सुनते विधायक सुनील सांगवान।

हलके में विकास को गति मिलेगी

विधायक ने कहा कि आने वाले समय में दादरी हलका में विकास को गति मिलेगी और अनेक परियोजनाओं को धरातल पर लागू किया जाएगा। विधायक ने उम्मीद जताई कि सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के लिए भी अलग से राशि स्वीकृत किया जाएगा। उनका लक्ष्य विधानसभा क्षेत्र के हर गांव और हर वार्ड में समान रूप से विकास कार्य कराना है, ताकि किसी भी क्षेत्र को पीछे न रहना पड़े।

प्राकृतिक सूखे रंगों से खेलें होली : नागर

भिवानी। आज जल का स्तर नीचे गिरता जा रहा है जोकि भविष्य के लिए एक चिंता का विषय बना हुआ है, इसे केवल संरक्षण करे ही बचाया जा सकता है, ये बात पर्यावरण संरक्षण व जलसंरक्षण को लेकर बनाए गए एक विचार-एक सोच मंच के संरक्षक धर्मबीर नागर व संस्थापक सदस्य डॉ. कल्पना ने होली पर्व को लेकर आयोजित मंच की संगोष्ठी में विचार विमर्श करते हुए कही। उन्होंने कहा कि होली पर्व पर जल को व्यर्थ न बहाएं केवल गुलाल का तिलक लगाकर ही एक दुसरे को होली पर्व की शुभकामनाएं दें। इस अवसर पर मंच संरक्षक सरोज शास्त्री व मुर्ति बिजारणिया, संस्थापक सदस्य जितेन्द्र धारीवाल, प्रदेशाध्यक्ष देवीराम कौशिक व सुलोचना लांबा आदि मौजूद रहे।

विधायक ने सुनीं लोगों की शिकायतें

- विधायक के घर लगे जनता दरबार में लोगों ने दी नालियों, गलियों, खेतों के रास्ते पक्के करवाने शिकायत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

विधायक कपूर वाल्मीकि के निवास स्थान पर जनता दरबार में शहर तथा आसपास के क्षेत्र के लोगों ने पहुंचकर गांवों में गलियों, नालियों, खेत के पक्के रास्ते आदि की शिकायतें दी और विधायक ने भी जल्द ही कार्य करवाने का आश्वासन दिया। वहीं 272 प्रोपर्टी आईडी रद्द होकर वक्फ बोर्ड के नाम चढ़ाए जाने को लेकर भी लोगों अपनी शिकायत देकर समाधान कराए जाने की बात की। विधानसभा से हलके की मांग उठाकर विधायक अपने निवास स्थान पर पहुंचे और उनके निवास स्थान पर हलके लोगों ने अपनी समस्याएं रखी।

बवानीखेड़ा। विधायक के निवास स्थान पर प्रॉपर्टी आईडी बहाल करवाने को लेकर बातचीत करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

अन्याय नहीं होने देंगे: विधायक

वहीं विधायक कपूर वाल्मीकि ने बताया कि उन्होंने विधानसभा में इस आवाज को उठाने की बजाए मुख्यमंत्री नायब सैनी से स्वयं बात की और मुख्यमंत्री ने इसके लिए अधिकारियों को बुलाकर टीमें बना दी गई हैं। जो जांच कर रही हैं। सारी स्थिति जल्द सामने आएगी। वहीं उन्होंने आश्वासन दिया कि उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा।

नौरंगाबास राजपूताना विद्यालय से नंदकिशोर शास्त्री हुए सेवानिवृत्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय नौरंगाबास राजपूतान से नंदकिशोर शास्त्री का 28 वर्षों की लंबी सेवा के पश्चात सेवानिवृत्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया द्य अपनी सेवा अवधि के दौरान शास्त्री ने विद्यालय को अनेकों उपलब्धियां में शुमार कराया है द्य ग्राम पंचायत नौरंगाबास राजपूतान सरपंच जयसिंह ने शास्त्री के मिलनसार व्यवहार व अध्यापन कार्य की बड़ी सराहना की । ग्राम पंचायत उण एवं सरपंच प्रतिनिधि दयाराम साहब ने बताया कि शास्त्री एक उत्तम शिक्षक के साथ-साथ एक श्रेष्ठ सामाजिक व्यक्ति भी है । विद्यालय परिवार की तरफ से प्रवक्ता सुरेश कुमार ने शास्त्री जी की संक्षिप्त जीवनी पर अपने विचार रखें द्य अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी शास्त्री को भेंट प्रदान की व उनके उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। विद्यालय परिवार ने भी शास्त्री को भेंट प्रदान करके लंबी उम्र की कामना की । इस अवसर पर विद्यालय प्राचार्य सहीराम यादव, अशोक लंग्यबा ,अशोक भालोठिया ,शमशेर सिंह सांगवान, परविंदर सांगवान आदि मौजूद रहे।

भिवानी। सेवानिवृति पर स्मृति चिंह देकर सम्मानित करते हुए।

भोला आदमपुर ने मनीष पंजाब को दी पटकनी

- बडराई-नौरंगाबास जाटान में भंडारा, खेल प्रतियोगिता व मेला संपन्न
- सांसद, विधायक सहित हजारों श्रद्धालुओं ने भाग लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ बाढ़ड़ा

बडराई एवं नौरंगाबास जाटान की पहाड़ी पर आयोजित भंडारे, खेल प्रतियोगिता व मेले में श्रद्धालुओं व ग्रामीणों की भारी भीड़ उमड़ी। कार्यक्रम का आयोजन श्रीदादा रामसर मंदिर परिसर में श्रद्धा व उत्साह के साथ हुआ, जिसमें सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक उमेद पातुवास, भजपा जिलाध्यक्ष इंजीनियर सुनील हड़ौदी, महादेव बलाली ने मत्था टेककर परिवार के कुशल क्षेम की कामना की। मेला स्थल पर भंडारे में हजारों श्रद्धालुओं प्रसाद ग्रहण किया । इस अवसर पर सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक उमेद पातुवास, महादेव बलाली ने खिलाड़ियों को सम्मानित किया।

बाढ़ड़ा। कार्यक्रम में मौजूद सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक उमेद पातुवास अन्य।

दंगल हरियाणा की प्राचीन परंपरा

विधायक ने कहा कि कुश्ती दंगल हरियाणा की प्राचीन परंपरा है और चरखी दादरी जिला आज खेल प्रतिभाओं के कारण राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना रहा है। उन्होंने सरकार से क्षेत्र में खेल विश्वविद्यालय स्थापित करने की मांग की, ताकि खिलाड़ियों को बेहतर प्रशिक्षण व सुविधाएं मिल सकें। खेल प्रतियोगिता की पहली कुश्ती भोला आदमपुर व मनीष पंजाब के बीच खेली गई, जिसमें बड़ी इनामी राशि का खिताब भोला आदमपुर ने मनीष पंजाब को पटकनी देकर हासिल किया और 51 हजार रुपये के साथ दंगल जीता,।

राजकीय उच्च विद्यालय सौंफ कासनी के मुख्याध्यापक सतीश हुड्डा हुए सेवानिवृत्त

भिवानी। राजकीय उच्च विद्यालय सौंफ कासनी के मुख्याध्यापक सतीश कुमार हुड्डा शनिवार को सेवानिवृत हो गए। उन्होंने 34 वर्ष तक शिक्षा विभाग में पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से शिक्षण कार्य किया। हुड्डा को शिक्षक, गैर शिक्षक व ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों ने फूलमाला पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। उल्लेखनीय कि सतीश कुमार हुड्डा राजकीय उच्च विद्यालय सौंफ कासनी में बतौर मुख्याध्यापक पद पर कार्यरत थे, वे शनिवार को 34 साल की सेवा उपरांत सेवानिवृत हो गए। उनकी सेवानिवृति पर शिक्षक व गैर शिक्षक स्टाफ ने विदाई समारोह का आयोजन किया। स्कूली बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। इस मौके पर राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल मिसरी के प्राचार्य एवं कलेक्टर हेड ओम सिंह ने मुख्याध्यापक हुड्डा को श्रीमद्भागवत गीता भेंटकर सम्मानित किया। समारोह में प्राचार्य ओम सिंह, सरपंच करतार सिंह, बीडीसी सुरेंद्र कासनी, जिला परिषद प्रतिनिधि प्रदीप यादव, पूर्व सरपंच इंद्रवेश, चांदराम बराड़, शिक्षक गोकल शास्त्री, अनिल कुमार, कृष्ण कुमार राम अवतार यादव राजपाल आदि मौजूद रहे।

नपा अध्यक्ष ने किया निरीक्षण

- पार्कों से लेकर रामबाग में होगा मिट्टी का भराव, सड़कों व नालियों की सुधरेगी दशा

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री ने नगर पालिका अभियंता मंदीप के साथ कस्बे के विभिन्न वार्डों का दौरा किया। इस दौरान कुछ गलियों, रामबाग एवं प्रमुख पार्कों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सफाई व्यवस्था, पानी की निकासी, टूटी हुई सड़कों एवं अन्य मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया गया। अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि जिन स्थानों पर मरम्मत अथवा सुधार कार्य की आवश्यकता है, वहां शीघ्र प्रभाव से कार्य प्रारंभ किया जाए। रामबाग एवं पार्कों में मिट्टी का भराव, बेंच, शौचालय, साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था तथा सौंदर्यीकरण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

बवानीखेड़ा। नपा प्रधान द्वारा निरीक्षण करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

विकास ही प्राथमिकता

इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री ने कस्बे में चल रहे विकास कार्यों का भी मौके पर पहुंच कर मुआयना भी किया। नगर पालिका अध्यक्ष सुंदर अत्री ने कहा कि कस्बे के प्रत्येक वार्ड में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाएगा और आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाएगा। वहीं उन्होंने बताया कि शहर की विकास मामलों में दशा और दिशा बदलने वाली है।

परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने प्रवचनों से किया निहाल

सत्संग का आधार सेवा, सेवा में परमार्थ के साथ परोपकार भी : कंवर साहेब

कल राधास्वामी सत्संग दिनोद की संगत हुजूर महाराज का 79वां अवतरण दिवस मनाएगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

सत्संग का आधार सेवा है और सेवा यदि निष्काम और निस्वार्थ है तो कहना ही क्या। सेवा ध्यान भजन से भी ज़्यादा फलदायी है क्यूंकि भजन में परमार्थ का उद्देश्य है जबकि सेवा में परमार्थ के साथ परोपकार भी होता है। यह सत्संग वचन परमसंत सतगुरु कंवर साहेब महाराज ने 2 मार्च को अपने जन्मदिवस के उपलक्ष्य में होने वाले सत्संग की पूर्व संध्या पर सेवाकार्यों के लिए जुटे सेवादारो को सत्संग और दर्शन देते हुए फ़रमाये। उल्लेखनीय है कि कल राधास्वामी सत्संग दिनोद की संगत हुजूर महाराज का 79वा अवतरण दिवस मनाएगी। इस अवसर पर हुजूर कंवर साहेब महाराज ने कहा कि भक्ति में साधक मुक्ति की आकांक्षा रखता है लेकिन दुनियादारी के रोगों से ही वह मुक्त नहीं हो पाता तो आवन जवान से मुक्ति की चाह बेमानी है। मुक्ति मिलेगी संसार की चाह से उपरामता पाने से।

भिवानी। आयोजित सत्संग में प्रवचन देते संत कंवर साहेब व सत्संग में उपस्थित श्रद्धालू।

आपके भाग में संतान नहीं

गुरु महाराज ने सिखों के चौथे गुरु बाबा रामदास और भाई आदम का किस्सा सुनाते हुए फरमाया कि भाई आदम के संतान नहीं थी वो आकर दरबार में लकड़ियाँ लाने की सेवा करने लग गया और जंगल से रोज दो गठरी लकड़ी लाता और लंगर में दे देता।गुरु जी ने भाई आदम को बुलाया और कहा सिखा! गुरु नानक जी की संगत तेरे ऊपर खुश हुई है। तुम अपने मन का मनोरथ बताओ, जो पूरा किया जा सके। परन्तु भाई आदम संकोच कर गए और कहने लगे महाराज! मुझे दर्शन दो यही मेरा मनोरथ है। जब गुरु जी के बार बार पूछने पर भी उसने नहीं बताया तो गुरु महाराज कहने लगे कि तुम कल अपनी पत्नी को साथ लेकर आना और फिर जिस मकसद से तुमने गुरु घर की सेवा की वह आकर बताना। दूसरे दिन पत्नी को साथ लेकर गुरु दरबार पर आ गया। पत्नी ने हाथ जोड़कर कहा महाराज! हमें पुत्र की दात प्रदान करो। यही मनोरथ के साथ हम गुरु दरबार में आए थे। गुरु जी ने ध्यान में बैठकर वचन किया कि हम आपकी श्रद्धा, भक्ति और निष्काम सेवा पर बहुत खुश हैं। लेकिन आपके भाग में संतान नहीं है परंतु एक मार्ग है।